

रोल नं. 

--	--	--	--	--	--	--

  
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

Candidates must write the Code on the title page of the answer-book.

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 3 हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 8 प्रश्न हैं ।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।
- Please check that this question paper contains 3 printed pages.
- Code number given on the right hand side of the question paper should be written on the title page of the answer-book by the candidate.
- Please check that this question paper contains 8 questions.
- **Please write down the Serial Number of the question before attempting it.**
- 15 minute time has been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed at 10.15 a.m. From 10.15 a.m. to 10.30 a.m., the students will read the question paper only and will not write any answer on the answer-book during this period.

## कर्नाटक संगीत (गायन)

(सैद्धान्तिक)

## CARNATIC MUSIC (Vocal)

(Theory)

निर्धारित समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 30

Time allowed : 3 hours

Maximum Marks : 30

## निर्देश :

- (i) निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
- (ii) प्रश्न सं. 6 और 7 अनिवार्य हैं ।
- (iii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

## Instructions :

- (i) Answer any **five** of the following questions.
- (ii) Questions no. 6 and 7 are compulsory.
- (iii) All questions carry equal marks.

1. संगीत सम्प्रदाय प्रदर्शिनि, सुब्बाराम दीक्षितर के संगीत पर, खासकर दक्षिण भारतीय संगीत पर एक महत्त्वपूर्ण कार्य है । औचित्य सिद्ध कीजिए । 6  
Sangita Sampradaya Pradarsini is a monumental work of Subbarama Dikshitar on music, particularly South Indian Music. Justify.
2. क्षेत्रजन ने पदम संगीत रचना को पूर्ण स्वरूप दिया है । प्रमाणित कीजिए । 6  
Kshetrajna perfected the musical form Padam. Substantiate.
3. कृति संगीत रचना में किन अलंकृत अंगों का उपयोग हुआ है ? उदाहरणों सहित संक्षेप में स्पष्ट कीजिए । 6  
Enumerate and briefly explain with examples the decorative angas one finds in the musical form Kriti.
4. विभिन्न प्रकार की संगीत रचनाओं की प्रस्तुति के लिए संगीतज्ञों द्वारा प्रयोग की जाने वाली विभिन्न प्रकार की राग आलाप पद्धतियों को स्पष्ट कीजिए । 6  
Explain the various varieties of Raga Alapana handled by musicians for presenting various types of musical forms.
5. जाति से राग के विकास का संक्षेप में पता लगाइए और विभिन्न प्रकार के वर्ज रागों की व्याख्या कीजिए । 6  
Trace briefly the development of ragas from Jaati and explain the various types of Varja Ragas.

6. रीतिगौल या नाट राग में निबद्ध कृति की पल्लवी और अनुपल्लवी की स्वरलिपि लिखिए । 6

Give the notation of the Pallavi and Anupallavi of a kriti set in Ritigaula  
*or* Nata Raga.

7. निम्नलिखित में से किसी एक राग का उपयुक्त संचारों सहित विस्तार से वर्णन कीजिए : 6

वराली या मुखारी

Describe in detail any *one* of the following ragas with suitable sancharas :

Varali *or* Mukhari

8. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 3×2=6

(क) तिरुप्पुगल्

(ख) जाति

(ग) एडुप्पु

(घ) मूर्च्छना

Write short notes on any *three* of the following :

(a) Thiruppugazh

(b) Jaati

(c) Eduppu

(d) Murchchana